# हिन्दी विभाग

**मानविकी एवं भाषा संकाय**

जामिआ मिल्लिया इस्लामिया

नई दिल्ली-110025

# Department of Hindi

Faculty of Humanities & Languages

JAMIA MILLIA ISLAMIA

NEW DELHI-110025

बी० ए० (पास / ऑनर्स) B.A (Pass / Honours)

पाठ्यक्रम (2000-2001 से प्रभावी)

SYLLABUS (w.e.f. 2000-2001)

# हिन्दी विभाग

जामिआ मिल्लिया इस्लामिया
नई दिल्ली-110025

## हिन्दी पाठ्यक्रम

2000-2001


हिन्दू धर्म शास्त्र 2

**बी॰ए॰ (पास कोर्स)**

1. भाषा, साहित्येतिहास और काव्य शास्त्र 4
2. मध्ययुगीन काव्य 6
3. कथा साहित्य 7
4. आधुनिक कविता 9
5. नाटक एवं निबंध 11

**बी॰ए॰ (ऑनर्स)**

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास 13
2. प्राचीन काव्य 14
3. नाटक एवं निबंध 18
4. आधुनिक कविता 20
5. कथा साहित्य 23
6. हिन्दी भाषा का विकास 25
7. साहित्य-शास्त्र 26
8. वैकल्पिक पाठ्यक्रम 28
   (क) सूरदास : विशेष अध्ययन 28
   (ख) निराला : विशेष अध्ययन 34
   (ग) प्रेमचंद : विशेष-अध्ययन 36

# हिन्दू धर्म शास्त्र

पूर्णांक : 100

(प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है।)

**यूनिट-1** : हिन्दू धर्म-ग्रंथों का सामान्य परिचय
- (क) वेद, वेदांग
- (ख) उपनिषद, पुराण, स्मृति

**यूनिट-२** : (क) रामायण, महाभारत-संस्कृति और समाज
- (ख) गीता-दर्शन और आधुनिक युग में उसकी उपादेयता

**यूनिट-3** : (क) भारतीय दर्शन-परिभाषा, आस्तिक, नास्तिक दर्शन (संक्षिप्त परिचय)
- (ख) वेदांत की शाखाएं

**यूनिट-4** : (क) भक्ति आन्दोलन और धार्मिक मान्यताओं पर उसका प्रभाव
- (ख) सूफ़ी सिद्धांत और भक्ति-धार्मिक एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान
- (ग) बौद्ध, जैन और सिक्ख धर्म की मुख्य मान्यताएं

**यूनिट-5** : (क) आधुनिक कालीन समाज सुधार आंदोलन एवं सुधारक
- (ख) ब्राह्म समाज, प्रार्थना समाज, आर्य समाज
- (ग) स्वामी विवेकानन्द, स्वामी रामतीर्थ, रामकृष्ण परमहंस, महात्मा गांधी, नारायण गुरू·
- (घ) धर्म और आधुनिक समाज

**संदर्भ ग्रंथ :**


1. विश्व धर्म दर्शन / सांवलिया बिहारीलाल वर्मा
2. भारतीय संस्कृति की कहानी / भगवद्शरण उपाध्याय
3. संस्कृति के चार अध्याय / रामधारी सिंह 'दिनकर'
4. तसव्वुफ़ अथवा सूफीमत / चन्द्रबली पाण्डेय
5. भक्ति काव्य की भूमिका / प्रेमशंकर
6. भक्ति आंदोलन और लोक जीवन / शिवकुमार
7. History of Indian Philosophy / Vol I, II
8. Ramayana / C.Lal
9. Mahabharata / C.Lal
10. Indian Philosophy / Dr. R.N. Sharma
11. Religion & Philosophy / Dr. Vatsyayana

# बीं० ए० पास प्रथम वर्ष

पूर्णांक : 100

**पाठ्यक्रम-1 : भाषा, साहित्येतिहास और काव्य शास्त्र**

**यूनिट-1 :** हिन्दी भाषा का विकास 20

(क) प्रारंभिक हिन्दी

(ख) अवधी और ब्रजभाषा का काव्य-भाषा के रूप में विकास।

(ग) खड़ी बोली

(घ) हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी

**यूनिट-2 :** काल-निर्धारण, नामकरण एवं आदिकालीन काव्य 20

**यूनिट-3 :** मध्यकाल 20

संत काव्य, सूफी काव्य, रामभक्ति काव्य धारा, कृष्ण भक्ति काव्य धारा, रीति काव्य।

**यूनिट-4 :** आधुनिक युग 20

(क) आधुनिक कविता का विकास

(ख) खड़ी बोली गद्य का विकास

(ग) गद्य की नवीन विधाएं : परिचय

**यूनिट-5 :** काव्य-शास्त्र 20

(क) शब्द शक्ति- अभिधा, लक्षणा, व्यंजना

(ख) रस (सभी)

(ग) मात्रिक छंद- दोहा, सोरठा, चौपाई, रोला

वर्णिक छंद- मालिनी, शिखरिणी, कवित्त, सवैया

(घ) शब्दालंकार– उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, भ्रांतिमान, संदेह, अन्योक्ति, समासोक्ति, व्यतिरेक, विभावना, विशेषोक्ति।

**सहायक पुस्तकें :**

1. हिन्दी भाषा / हरदेव बाहरी
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास / आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास / सम्पादक डॉ॰ नगेन्द्र
4. काव्यांग / डॉ॰ देवेन्द्र त्यागी

# बी॰ ए॰ पास द्वितीय वर्ष

**पाठ्यक्रम-2 : मध्ययुगीन काव्य** पूर्णांक : 100

**यूनिट-1 :** पाठ्यक्रम में निधारित कवियों के पाठ में से किन्हीं तीन काव्यांशों की व्याख्या अपेक्षित। 40

निर्धारित पाठ्य पुस्तक : मध्यकालीन कविता
संपादक– डॉ॰ चन्द्रदेव यादव

1. कबीर
2. मलिक मोहम्मद जायसी
3. सूरदास
4. तुलसीदास
5. रहीम
6. बिहारी

**यूनिट-2 :** भक्ति काव्य की पृष्ठभूमि 15
भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य / रीतिकाव्य की भूमिका / रीतिकाव्य का स्वरूप

**यूनिट-3 :** कबीर और जायसी की काव्यगत विशेषताएं 15
(साधना पद्धति, भाषा)

**यूनिट-4 :** सूरदास और तुलसीदास की काव्यगत विशेषताएं 15
(समाज सुधार, भक्ति का स्वरूप, प्रेम और वात्सल्य, समन्वय, भाषा)

**यूनिट-5 :** रहीम और बिहारी की काव्यगत विशेषताएं।
(रीति, शृंगार, प्रेम, नीति)

**सहायक पुस्तकें :**


1. हिन्दी साहित्य का इतिहास / आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका / आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. त्रिवेणी / आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
4. बिहारी : नया मूल्यांकन / डा॰ बच्चन सिंह
5. कबीर की विचारधारा / डा॰ गोविन्द त्रिगुणायत
6. रहीम रचनावली (भूमिका) / सं॰ विद्यानिवास मिश्र

**पाठ्यक्रम-3 : कथा साहित्य** पूर्णांक : 100

**यूनिट-1 :** हिन्दी उपन्यास का विकास 20

(क) स्वतंत्रतापूर्व (प्रेमचन्द पूर्व, प्रेमचंद युगीन)

(ख) स्वातंत्र्योत्तर (प्रेमचंदोत्तर : प्रयोगशील, साठोत्तरी, समकालीन)

**यूनिट-2 :** निर्धारित उपन्यास की समीक्षा तथा उपन्यासकार की उपन्यास कला (विषयवस्तु, केन्द्रीय समस्या और शिल्प का विवेचन) 20

ग़बन - प्रेमचन्द

**यूनिट-3 :** हिन्दी कहानी का विकास 20

(क) स्वतंत्रतापूर्व (प्रारंभिक कहानी, भाववादी, यथार्थवादी)

(ख) स्वातंत्र्योत्तर (नई कहानी, अकहानी, समकालीन कहानी)

**यूनिट-4 :** कहानी संग्रह : 'कथापर्व'

– सं॰ : डॉ॰ अब्दुल बिस्मिल्लाह

**निर्धारित कहानियां**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | पूस की रात | - | प्रेमचन्द |
| 2. | बिसाती | - | जयशंकर प्रसाद |
| 3. | पाज़ेब | - | जैनेन्द्र कुमार |
| 4. | ठेस | - | फणीश्वरनाथ रेणु |
| 5. | मित्र-मिलन | - | अमरकांत |
| 6. | सज़ा | - | मन्नू भंडारी |

(इस यूनिट के अंतर्गत निर्धारित कहानियों की विषयवस्तु, मूल संवेदना और शिल्प से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। 20

**यूनिट-5 :** इस यूनिट के अंतर्गत निर्धारित कहानियों की विषयवस्तु, मूलसंवेदना और शिल्प से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। 20

**सहायक पुस्तकें :**


1. हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद / डा॰ त्रिभुवन सिंह
2. भीष्म साहनी / सं॰ राजेन्द्र शर्मा
   (वाणी प्रकाशन, दिल्ली से प्रकाशित)
3. हिन्दी उपन्यास : उपलब्धियां / डा॰ लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय
4. हिन्दी उपन्यास : सन् 50 के बाद / सं॰ निर्मला जैन, नित्यानन्द तिवारी
5. हिन्दी कहानियों की शिल्पविधि का विकास / लक्ष्मीनारायण लाल
6. आज की कहानी / विजय मोहन सिंह

## बी० ए० पास तृतीय वर्ष

**पाठ्यक्रम-4 : आधुनिक कविता** पूर्णांक : 100

**यूनिट-1 :** पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों के पाठ में से किन्हीं तीन काव्यांशों की व्याख्या अपेक्षित। 40

**निर्धारित कवि**

1. मैथिलीशरण गुप्त
   कुब्जा (द्वापर से)
2. रामनरेश त्रिपाठी
   विधवा का दर्पण, अन्वेषण
3. जयशंकर 'प्रसाद'
   गीत– बीती विभावरी जाग री / वे कुछ दिन कितने सुंदर थे / अरुण यह मधुमय देश हमारा।
   'आंसू' से– इस करुणा कलित हृदय में / ये सब स्फुलिंग हैं मेरी / बुलबुले सिन्धु के फूटे / जो घनीभूत पीड़ा थी / झंझा झकोर गर्जन था / शशि मुख पर घूंघट डाले / बांधा था विधु को किसने / मुख कमल समीप सजे थे / प्रत्यावर्तन के पथ में / सबका निचोड़ लेकर तुम।
4. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
   गीत– (प्रिय) यामिनी जागी / बांधो न नाव इस ठांव बन्धु / स्नेह निर्झर बह गया है।
   कविताएं– भिक्षुक / तोड़ती पत्थर

5. नरेन्द्र शर्मा

गीत – तुम्हें याद है क्या उस दिन की / सूरज डूब गया बल्ली भर / कब मिलेंगे।

6. त्रिलोचन शास्त्री

दिन ये फूल के हैं / ताप के तापे हुए दिन / क्षण की खिड़की।

**यूनिट-2 :** आधुनिक कविता का विकास 15

भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद नयी कविता।

(उपर्युक्त की काव्य प्रवृत्तियों का ज्ञान)

**यूनिट-3 :** मैथिलीशरण गुप्त एवं रामनरेश त्रिपाठी की काव्यगत विशेषताएं। (द्विवेदीयुगीन कविता तथा मैथिलीशरण गुप्त एवं रामनरेश त्रिपाठी की कविताएं) 15

**यूनिट-4 :** जयशंकर 'प्रसाद' और सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की काव्यगत विशेषताएं। 15

(छायावादी कविता का स्वरूप और जयशंकर 'प्रसाद' तथा 'निराला' की कविताएं)

**यूनिट-5 :** नरेन्द्र शर्मा और त्रिलोचन शास्त्री की काव्यगत विशेषताएं। (प्रगतिवाद और नरेन्द्र शर्मा तथा त्रिलोचन शास्त्री की कविताएं) 15

**सहायक पुस्तकें :**


1. आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियां / नामवर सिंह
2. आधुनिक हिन्दी कविता (भाग-1, भाग-2) / विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
3. हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी / नन्ददुलारे वाजपेयी
4. आधुनिक हिन्दी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियां / डॉ॰ नगेन्द्र

**पाठ्यक्रम-5 : नाटक एवं निबंध**

पूर्णांक : 100

**यूनिट-1 :** नाटक

(क) हिन्दी नाटक का विकास (भारतेन्दु युग से लेकर आज तक)

(ख) नाटक के तत्व (भारतीय एवं पाश्चात्य)

(ग) नाटक एवं रंगमंच

**यूनिट-2 :** पाठ्यक्रम में निर्धारित नाटक

ध्रुवस्वामिनी– जयशंकर 'प्रसाद'

(इस यूनिट के अंतर्गत निम्न बिंदुओं से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे : नाटककार की नाट्य कला, नाट्य सिद्धांतों के आधार पर, रंगमंच की दृष्टि से, नाटक का उद्देश्य, चरित्रों की विशेषताएं)

**यूनिट-3 :** निबंध

(क) हिन्दी निबंध का विकास
(भारतेन्दु युग से लेकर आज तक)

(ख) हिन्दी निबंध के विभिन्न प्रकार
(व्याख्यात्मक, वर्णनात्मक, आलोचनात्मक, विवेचनात्मक, गवेषणात्मक, भावपरक, ललित आदि)

**यूनिट-4 :** निर्धारित निबंध-संग्रह : ललित निबंध / सं॰ केसरी कुमार

(इस यूनिट के अंतर्गत निर्धारित निबंधों से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।)

1. सूर्योदय – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
2. धोखा - प्रताप नारायण मिश्र
3. मजदूरी और प्रेम - सरदार पूर्ण सिंह
4. अशोक के फूल - हजारीप्रसाद द्विवेदी

5. छितवन की छांव - विद्यानिवास मिश्र
6. सोने की लूट - विवेकी राय

**यूनिट-5 :** इस यूनिट के अंतर्गत निर्धारित निबन्धकारों की निबंध-कला से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे।

**सहायक पुस्तकें :**


1. निबंध संग्रह : निबंधायन / सं॰ सुरेश ऋतुपर्ण
2. हिन्दी नाटक / डॉ॰ बच्चन सिंह
3. प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार / डॉ॰ हरिमोहन
4. हिन्दी गद्य का विकास और प्रमुख शैलीकार / गुलाबराय
5. प्रसाद का नाट्यकर्म : जयदेव तनेजा
6. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : जगन्नाथ शर्मा

## बी॰ ए॰ ऑनर्स प्रथम वर्ष

**पाठ्यक्रम-1 : हिन्दी साहित्य का इतिहास** पूर्णांक : 100

**यूनिट-1 :** काल विभाजन

हिन्दी साहित्य के प्रमुख इतिहास ग्रंथ : काल निर्धारण एवं नामकरण।

**यूनिट-2 :** आदिकाल

युगीन परिस्थितियां
सिद्ध, नाथ, जैन तथा रासो साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियां।

**यूनिट-3 :** भक्तिकाल

युगीन परिस्थितियां
प्रमुख प्रवृत्तियां : संत काव्य, सूफी काव्य, राम काव्य, कृष्ण काव्य।

**यूनिट-4 :** रीतिकाल

युगीन परिस्थितियां
प्रमुख प्रवृत्तियां : रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य।

**यूनिट-5 :** आधुनिक युग

प्रमुख प्रवृत्तियां : हिन्दी नवजागरण, भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद युग, छायावादोत्तर साहित्य।

**सहायक पुस्तकें :**

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास / आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका / आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. आधुनिक हिन्दी साहित्य / नन्ददुलारे वाजपेयी
4. आधुनिक हिन्दी की मुख्य प्रवृत्तियां / डॉ॰ नगेन्द्र

## बी० ए० ऑनर्स द्वितीय वर्ष

**पाठ्यक्रम-2 : प्राचीन काव्य** पूर्णांक : 100

**यूनिट-1 :** पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों के पाठ की व्याख्या। किन्हीं तीन काव्यांशों की व्याख्या करनी होगी। 40

निर्धारित कवि एवं पाठ

अमीर खुसरो

**गीत–** बहुत कठिन है डगर पनघट की / जब यार देखा नैन भर / परबत बांस मंगाव मोरे बाबुल / बहोत रही बाबुल घर दुल्हन / काहे को ब्याहे बिदेस / काहे को बियाहे परदेस।

**रंग–** आज रंग है / अम्मां मेरे बाबा को भेजो जी।

**दोहे–** खुसरू रैन सोहाग की / गोरी सोवे सेज पर।

विद्यापति

नन्दक नन्दन कदम्बक तरु-तर / जहाँ-जहाँ पग-जुग धरई / सुनु सुनु ए सखि कहए न होए / ए धनि कमलिनि सुनु हित बानि / सुनु मनमोहन कि कहब तोय / अम्बर बदन झपाबह गोरी / चरन-नखर मनि-रंजन छांद / नब बृन्दाबन नब नब तरुगन / अभिनब पल्लब बइसक देल / चलु देखए जाऊ रितु बसंत / सखि हे हमर दुखक नहिं ओर / विपत अपत तरु पाओल रे / कतए गेला मोर बुढ़वा जती / माधव, कत सोर करब बढ़ाई / फूल एक फुलबारि लाओल मुरारि।

कबीरदास

**पद संख्या–** 2, 5, 8, 12, 17, 27, 41, 46, 52, 62, 95, 106, 116, 163, 188

**साखी संख्या–** 13, 22, 30 (सतगुर महिमा) 7, 16, 31, 54 (प्रेम बिरह) 3, 14 (सुमिरन भजन महिमा) 9, 18 (साध महिमा) 2, 3, 11 (पिउ पहिचानबै) 6 (संग्रथाई) 6, 9, 17 (परचा) 4, 14 (सूखिम मारग) 12 (पतिव्रता) 1, 5, (रस) 31, 32 (सूरातन)

कबीर ग्रंथावली : सं॰ पारसनाथ तिवारी।

मलिक मुहम्मद जायसी

नागमती वियोग खण्ड

जायसी ग्रंथावली (पदमावत) : सं॰ आ॰ रामचन्द्र शुक्ल

सूरदास

**पद संख्या–** 2, 19 (विनय) 13, 43, 177, 245, 411, 478, 620, 672, 673, (दशम स्कंध, प्रथम खंड) 3175, 3185, 3521, 3604, 3975, 4073, 4119, 4157 (दशम स्कंध, द्वितीय खण्ड)

सूरसागर : सं॰ नन्ददुलारे वाजपेयी

तुलसीदास

रामचरित मानस (बाल काण्ड) : छंद सं॰ 229 (देखन बाग कुंअर दुइ आए) से लेकर छंद सं॰ 238 तक

विनय पत्रिका : पद संख्या– 41, 71, 72, 73, 90, 98, 105, 111, 162, 172

बिहारी

**दोहा संख्या**– 1, 13, 18, 25, 32, 38, 41, 52, 60, 70, 94, 102, 106, 121, 140, 151, 181, 203, 207, 217, 251, 255, 267, 280, 300, 327, 340, 347, 357, 363

बिहारी– रत्नाकर, सं॰ जगन्नाथदास 'रत्नाकर'

घनानंद

**सवैया**– जा हित मात को नाम जसोदा / घनआनंद जीवन मूल सुजान / तब तौ छबि पीवत जीवत हे / हीन भएं जल मीन अधीन / मरिबो बिसराम गनैं वह तौ / अति सूधो सनेह को मारग है / घनआनंद प्यारे सुजान सुनौ / बिरहा-रबि सों घट-व्योम तच्यौ / परकाजहि देह को धारि फिरो / सावन आवन हेरि सखी / पहलें पहिचानि जु मानि लई / पलकौ कलपै कलपौ पलकै / रूप लुभाय लगी तब तौ / फैलि रही धर अंबर पूरि / चाह बढ्यौ चिंत चाक-चढ्यौ / उर-भौन में मौन को घूंघट कै

**कवित्त**– तपति उसास औधि रूंधियै कहाँ लौं दैया / एरे बीर पौन तेरो सबै ओर गौन / जोई रात प्यारे-संग बातन न जात जानी / आनाकानी आरसी निहारिबो करौगे कौ लौं / महा-अनमिलन- मिलेई मिलौ / सोभा-बरसीली सुभ सील सों लसीली / अंग अंग छाई है उदेग उरझानि महा / अंतर मैं बासी पै प्रबासी को सो अंतर है / प्रेम को महोदधि अपार हेरि कै

**यूनिट-2 :** अमीर खुसरो और विद्यापति की काव्यगत विशेषताओं पर समीक्षात्मक प्रश्न। 15

(आदिकालीन कविता के संदर्भ में अमीर खुसरो और विद्यापति की कविताओं का मूल्यांकन)

**यूनिट-3 :** कबीर और जायसी की काव्यगत विशेषताओं पर समीक्षात्मक प्रश्न। 15

(साधना पद्धतियां, रहस्यवाद, समाज सुधार, दार्शनिक मान्यताएं, लोकतत्व, भाषा)

**यूनिट-4 :** सूर और तुलसी की काव्यगत विशेषताओं पर समीक्षात्मक प्रश्न। 15

(सगुण भक्ति का स्वरूप और सूर तथा तुलसी की कविताएं, भक्ति, वात्सल्य एवं प्रेम, समन्वय, दर्शन, भाषा)

**यूनिट-5 :** बिहारी और घनानंद की काव्यगत विशेषताओं पर समीक्षात्मक प्रश्न। 15

(रीतिकाव्य के संदर्भ में बिहारी और घनानंद की कविता का मूल्यांकन, शृंगार एवं प्रेम, भाषा)

**सहायक पुस्तकें :**


1. त्रिवेणी / आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. कबीर / आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. सूर की काव्यकला / मनमोहन गौतम
4. तुलसीदास / रामचन्द्र शुक्ल
5. रीतिकाव्य की भूमिका / जगदीश गुप्त
6. भक्ति काव्य की भूमिका / डॉ॰ प्रेमशंकर
7. मध्यकालीन हिन्दी काव्य में सांस्कृतिक समन्वय / डॉ॰ अब्दुल बिस्मिल्लाह
8. जायसी / विजयदेवनारायण साही

**पाठ्यक्रम-3 : नाटक एवं निबंध** पूर्णांक : 100

निर्धारित नाटक

1. स्कंदगुप्त - जयशंकर प्रसाद
2. लहरों के राजहंस - मोहन राकेश

निर्धारित निबंध

| | |
|---|---|
| भारतेन्दु | - स्वर्ग में विचारसभा का अधिवेशन |
| रामचन्द्र शुक्ल | - उत्साह |
| हजारीप्रसाद द्विवेदी | - देवदारु |
| हरिशंकर परसाई | - ठिठुरता हुआ गणतंत्र |
| अज्ञेय | - साहित्य और समाज |

**यूनिट-1 :** इस यूनिट के अंतर्गत निर्धारित नाटकों से संबंधित निम्न बिन्दुओं पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। 15

1. नाट्य तत्व - भारतीय एवं पाश्चात्य
2. मूल संवेदना
3. रंगमंच
4. चारित्रिक विकास

**यूनिट-2 :** इस यूनिट के अंतर्गत निर्धारित नाटककारों से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे : (नाट्य कला, विचारधारा, भाषा) 15

**यूनिट-3 :** हिन्दी निबंध का विकास : निबंधों के प्रकार : वर्णनात्मक, भावात्मक, वैचारिक, व्याख्यात्मक, ललित आदि। 15

भारतेन्दुयुगीन हिन्दी निबंध / द्विवेदीयुगीन हिन्दी निबंध / छायावाद युगीन हिन्दी निबंध / छायावादोत्तर हिन्दी निबंध।

**यूनिट-4 :** निर्धारित निबंधकारों की निबंध कला 15

**यूनिट-5 :** निर्धारित नाटक एवं निबंधों में प्रत्येक से एक-एक (कुल तीन) अंश की व्याख्या करनी होगी। 40

**सहायक पुस्तकें :**


1. हिन्दी गद्य का विकास और प्रमुख शैलीकार / गुलाब राय
2. हिन्दी, नाटक : उद्‌भव और विकास / डॉ॰ दशरथ ओझा
3. हिन्दी नाटक / डॉ॰ बच्चन सिंह
4. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन / जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
5. प्रसाद का नाट्यकर्म / सत्येन्द्र कुमार तनेजा
6. आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच / लक्ष्मीनारायण लाल

## बी॰ ए॰ ऑनर्स तृतीय वर्ष

**पाठ्यक्रम-4 : आधुनिक कविता** पूर्णांक : 100

**यूनिट-1 :** पाठ्यक्रम में निधारित कवियों के पाठ की व्याख्या। किन्हीं तीन काव्यांशों की व्याख्या करनी होगी। 40

**निर्धारित कवि एवं कविताएं**

1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

   मारग प्रेम को को समुझै, यह संग में लागियै डोलैं सदा, आजु लों जौ न मिले तो कहा, घेरि घेरि घन आए, एक बेर नैन भरि देखैं जाहि, निज भाषा उन्नति अहै, अंग्रेजी पढ़ि के जदपि, यह सब भाषा काम की, गुरु सिखवत बहु भांति, इक भाषा इक जीव इक, बैर बिरोधहि छोड़ि कै, नारि पढ़े बिनु एकहू, सब गुरुजन क़ो बुरा बतावे, भीतर भीतर सब रस चूसै, इनकी उनकी खिदमत करो, मुंह जब लागे तब नहिं छूटै, लखौ किन भारतवासिन की गति।

2. मैथिलीशरण गुप्त

   निज सौध सदन में उटज पिता ने छाया
   मेरी कुटिया में राज-भवन मन भाया।
   साकेत : अष्टम सर्ग

3. जयशंकर प्रसाद

   कामायनी : लज्जा सर्ग (प्रारंभ के 33 छंद)

4. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

संध्या सुन्दरी
जागो फिर एक बार (दोनों भाग)

5. सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'

झील का किनारा, अंतरंग चेहरा, परायी राहें

6. गजानन माधव मुक्तिबोध

मुझे क़दम क़दम पर
भूल ग़लती

7. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

लीक पर वे चलें, फसल, पिछड़ा आदमी

8. सुदामा पांडे धूमिल

मोचीराम

**यूनिट-2 :** भारतेन्दु और मैथिलीशरण गुप्त की काव्यगत विशेषताओं से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न 15

(i) हिन्दी नवजागरण के संदर्भ में भारतेन्दु की कविताओं का मूल्यांकन, काव्य-भाषा।

(ii) हिन्दी नवजागरण तथा द्विवेदी युग के संदर्भ में मैथिलीशरण गुप्त की कविताओं का विवेचन, काव्य-भाषा।

**यूनिट-3 :** प्रसाद और निराला की काव्यगत विशेषताओं से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न 15

(छायावाद के संदर्भ में प्रसाद और निराला की कविताओं का मूल्यांकन, काव्य-भाषा, शिल्प)

**यूनिट-4 :** अज्ञेय और मुक्तिबोध की काव्यगत विशेषताओं से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न 15

(प्रयोगवाद और नयी कविता के संदर्भ में अज्ञेय और मुक्तिबोध की कविताओं का विवेचन)

**यूनिट-5 :** सर्वेश्वर दयाल सक्सेना और धूमिल की काव्यगत विशेषताओं से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न 15

(साठोत्तरी कविता और सर्वेश्वर तथा धूमिल की कविताएं)

**सहायक पुस्तकें :**


1. आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियां / नामवर सिंह
2. आधुनिक हिन्दी कविता (भाग-1, भाग-2) / सं॰ विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
3. आधुनिक हिन्दी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियां / डा॰ नगेन्द्र
4. हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी / नन्ददुलारे वाजपेयी
5. आधुनिक हिन्दी साहित्य : नन्ददुलारे वाजपेयी
6. हिन्दी उर्दू की प्रगतिशील कविता / डा॰ असगर वजाहत

**पाठ्यक्रम-5 : कथा साहित्य** पूर्णांक : 100

**यूनिट-1 :** (क) हिन्दी कहानी का विकास
: प्रारंभिक कहानियां
: प्रेमचंद युग, प्रेमचन्दोत्तर युग
(ख) नई कहानी
(ग) साठोत्तरी कहानी
(घ) समकालीन कहानी

**यूनिट-2 :** इस यूनिट के अन्तर्गत पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों के संबंध में समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

(अंतर्वस्तु, केन्द्रीय समस्या, विचारधारा और शिल्प)

**निर्धारित कहानियां**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | ईदगाह | - | प्रेमचन्द |
| 2. | उसने कहा था | - | गुलेरी |
| 3. | करवा का व्रत | - | यशपाल |
| 4. | मधुआ | - | जयशंकर 'प्रसाद' |
| 5. | आर्द्रा | - | मोहन राकेश |
| 6. | वापसी | - | उषा प्रियंवदा |

**कहानी विविधा** / संकलन– डॉ॰ देवीशंकर अवस्थी

**यूनिट-3 :** हिन्दी उपन्यास का विकास
प्रारंभिक उपन्यास, प्रेमचन्द युगीन उपन्यास, प्रेमचन्दोत्तर उपन्यास, स्वातंत्र्योत्तर उपन्यास, साठोत्तरी उपन्यास, समकालीन उपन्यास।

**यूनिट-4 :** उपन्यास-1

कर्मभूमि प्रेमचन्द

**यूनिट-5 :** उपन्यास-2

दिव्या यशपाल

यूनिट संख्या चार और पांच में निर्धारित उपन्यासों के संबंध में निम्नलिखित बिन्दुओं पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे : अंतर्वस्तु, केन्द्रीय समस्या, चारित्रिक विकास, विचारधारा, शिल्प।

**सहायक पुस्तकें :**


1. कहानी नयी कहानी / नामवर सिंह
2. नयी कहानी : संदर्भ और प्रकृति / देवीशंकर अवस्थी
3. आज की कहानी / विजय मोहन सिंह
4. हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद / त्रिभुवन सिंह
5. हिन्दी उपन्यास : उपलब्धियां / डॉ॰ लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
6. प्रेमचंद और उनका युग / रामविलास शर्मा
7. आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास / इन्द्रनाथ मदान
8. प्रेमचंद : एक विवेचन / इन्द्रनाथ मदान

**पाठ्यक्रम-6 : हिन्दी भाषा का विकास** पूर्णांक : 100

**यूनिट-1 :** (क) विश्व के प्रमुख भाषा परिवार
(ख) हिन्दी भाषा की उत्पत्ति
(ग) प्रारम्भिक हिन्दी

**यूनिट-2 :** (क) हिन्दी की प्रमुख बोलियां
(ख) मध्यकाल में अवधी और ब्रज का साहित्यिक भाषा के रूप मे विकास

**यूनिट-3 :** (क) अंग्रेजों की भाषा नीति
(ख) हिन्दी, उर्दू, हिन्दुस्तानी
(ग) काव्य भाषा के रूप में खड़ी बोली का विकास

**यूनिट-4 :** (क) हिन्दी का शब्द भण्डार
(ख) देवनागरी लिपि का मानकीकरण
(ग) राजभाषा और राष्ट्रभाषा

**यूनिट-5 :** (क) संविधान में हिन्दी की स्थिति
(ख) सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी
(ग) कार्यालयी भाषा के रूप में हिन्दी

**सहायक पुस्तकें :**

1. हिन्दी भाषा : उद्भव और विकास / डॉ॰ हरदेव बाहरी
2. हिन्दी भाषा / भोलानाथ तिवारी
3. भारत की भाषा समस्या / रामविलास शर्मा
4. भाषा विज्ञान / भोलानाथ तिवारी

**पाठ्यक्रम-7 : साहित्य-शास्त्र** पूर्णांक : 100

**यूनिट-1 :** भारतीय काव्य शास्त्र-1

(क) काव्यशास्त्र के विभिन्न सम्प्रदाय : परिचय

(ख) रस एवं रस-निष्पत्ति

(ग) साधारणीकरण

**यूनिट-2 :** भारतीय काव्य शास्त्र-2

(क) शब्द शक्ति

(ख) छन्द : मात्रिक-दोहा, सोरठा, चौपाई, रोला, हरिगीतिका
वर्णवृत्त : सवैया, कवित्त, इंद्रवज्रा, मालिनी, मंदाक्रान्ता।

(ग) अलंकार : शब्दालंकार– अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति।
अर्थालंकार- उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, व्यतिरेक, स्वभावोक्ति, अतिशयोक्ति, प्रतीप, व्याजस्तुति, अप्रस्तुत प्रशंसा, समासोक्ति

(घ) काव्य गुण
काव्य दोष : पुनरुक्ति, ग्राम्यत्व, च्युतसंस्कृति, न्यूनपदत्व, क्लिष्टत्व।

**यूनिट-3 :** पाश्चात्य काव्य शास्त्र

(क) प्राचीन साहित्य-सिद्धांत– अरस्तू, प्लेटो, लांजाइनस

(ख) स्वच्छंदतावाद

(ग) यथार्थवाद

(घ) मार्क्सवाद

**यूनिट-4 :** हिन्दी आलोचना

(क) रीतिकालीन हिन्दी काव्य-शास्त्र

(ख) आधुनिक हिन्दी आलोचना

**यूनिट-5 :** प्रमुख आलोचक

आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, डा॰ नामवर सिंह, डा॰ रामविलास शर्मा

**सहायक पुस्तकें :**


1. भारतीय काव्य शास्त्र की समीक्षा / डा॰ नगेन्द्र
2. सिद्धान्त और अध्ययन / गुलाब राय
3. पाश्चात्य काव्य शास्त्र / डा॰ लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
4. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द / डा॰ बच्चन सिंह
5. उर्दू आलोचना का विकास / डा॰ पूर्णमासी राय
6. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास / प्रो॰ एहतेशाम हुसैन
7. हिन्दी की प्रगतिशील आलोचना / सं॰ श्याम कश्यप, कमला प्रसाद, खगेन्द्र ठाकुर

**पाठ्यक्रम-8 : वैकल्पिक पाठ्यक्रम**

(इस वैकल्पिक पाठ्यक्रम में सूरदास, निराला अथवा प्रेमचन्द में से किसी एक का विशेष अध्ययन करना होगा। विभाग की सुविधा और अनुमति से ही विद्यार्थी विकल्प का चयन कर सकेंगे।)

## (क)

## सूरदास : विशेष अध्ययन

पूर्णांक : 100

(प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है।)

**यूनिट-1 :** (क) भक्तिकाल की सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनैतिक परिस्थितियां। 15
(ख) भक्ति आंदोलन और सूरदास
(ग) पुष्टिमार्ग और सूरदास
(घ) अष्टछाप और सूरदास

**यूनिट-2 :** (क) सगुण भक्ति परंपरा और कृष्ण भक्ति 15
(ख) कृष्ण भक्ति और सूरदास
(ग) पूर्ववर्ती कृष्ण भक्ति / परवर्ती कृष्ण भक्ति
(घ) सामाजिकता और लोकतत्व

**यूनिट-3 :** (क) गोचारण संस्कृति और सूरदास 15
(ख) प्रेम, विरह, शृंगार
(ग) वात्सल्य और बाल-मनोविज्ञान, बाल-लीला
(घ) सूर काव्य और भ्रमरगीत परंपरा

**यूनिट-4 :** (क) गीतात्मकता 15
(ख) संवाद-कौशल
(ग) भाषा
(घ) रस, छंद, अलंकार

**यूनिट-5 :** (इस यूनिट में निर्दिष्ट कविताओं में से किन्हीं तीन काव्यांशों की व्याख्या करनी होगी।) 40

**निर्धारित पद**

**विनय एवं भक्ति**

1. अबिगत-गति कछु कहत न आवै / 2
2. प्रभु कौ देखौ एक सुभाइ / 8
3. जन की और कौन पति राखै / 15
4. स्याम गरीबनि हूं के ग्राहक / 19
5. हरै बलबीर बिना को पीर / 33
6. अब हौं माया हाथ बिकानौं / 47
7. माधौ जू, यह मेरी इक गाय / 51
8. यह आसा पापिनी दहै / 53
9. जनम साहिबी करत गयौ / 64
10. सब तजि भजिए नंद कुमार / 68
11. आजु हौं एक एक कर टरिहौं / 134
12. प्रभु हौं सब पतितनि कौ टीकौ / 138
13. अब मैं नाच्यौ बहुत गुपाल / 153
14. मेरो मन अनत कहां सुख पावै / 168
15. हमारी तुमकौं लाज हरी / 184

**बाल-लीला एवं ब्रजसमाज**

1. आजु बधायौ नंदराइ कै / 27
2. धनि धनि नंद जसोमति, धनि जग पावन रे / 28

3. जसोदा हरि पालनै झुलावै / 43
4. उमंगी ब्रजनारि सुभग / 96
5. सोभित कर नवनीत लिए / 99
6. छोटी छोटी गोड़ियां / 151
7. मैया मैं तो चंद्र खिलौना लैहों / 193
8. जागिए ब्रजराज कुंवर कमल कुसुम फूले / 202
9. खेलत मैं को काको गुसैयां / 245
10. ग्वालिनी उरहन कैं मिस आई / 303
11. मैया मैं नहिं माखन खायो / 334
12. देखौ माई, या बालक की बात / 338
13. आजु मैं गाय चरावन जैहौं / 411
14. हरि कौ हेरत फिरति गुवारि / 461
15. सबै ब्रज जमुना कैं तीर / 575
16. जब हरि मुरली अधर धरत / 620
17. दै मैया भौंरा चक डोरी / 669
18. खेलत हरि निकसे ब्रज खोरी / 672
19. बूझत स्याम कौन तू गोरी / 673
20. प्रथम सनेह दुहुंनि मन जान्यौ / 674

## प्रेम और शृंगार

1. नवल किसोर नवल नागरिया / 688
2. धेनु दुहत अतिहीं रति बाढ़ी / 736
3. बहुरि स्याम सुखरास कीयौ / 1132
4. संग ब्रजनारि हरि रास कीन्हौ / 1135
5. मुरली हरि कौ नाच नचावत / 1325
6. चितवनि रोकै हू न रही / 1763
7. ऐसे हम देखे नंदनंदन / 1780
8. अंखियां जानि अजान भईं / 1783
9. सुनहु सखी राधा की बानी / 1787

10. जब तैं निरखे चारु कपोल / 1792
11. निरखत रूप नागरि नारि / 1818
12. अद्‌भुत एक अनूपम बाग / 2110
13. नैननि प्रान चोरि लै दीने / 2378
14. नैना नाहिंन कछू बिचारत / 2383
15. अंखियां हरि कैं हाथ बिकानीं / 2402
16. निस दिन बरसत नैन हमारे / 3236
17. पिय बिनु नागिनी कारी रात / 3272
18. मधुबन तुम क्यौं रहत हरे / 3210
19. बिनु गुपाल बैरिनि भईं कुंजैं / 4068
20. अति मलीन बृषभानु कुमारी / 4073

**दशम स्कंध : विविध**

1. एइ दोउ बसुदेव को ढोटा / 3043
2. जै जै धुनि तिहुं लोक भई / 3080
3. आजु हो निसान बाजै बसुदेव राइ कैं / 3092
4. नंद ब्रज लीजै ठोकि बजाइ / 3168
5. द्विज पाती दै कहियौ स्यामहिं / 4168
6. देखहिं दौरि द्वारिकाबासी / 4184
7. जदुपति दीख सुदामा आवत / 4229
8. भूलौ द्विज देखौ अपनौ घर / 4237
9. ब्रज बासिनि कौ हेत, हृदय में राखि मुरारी / 4275
10. राधा नैन नीर भरि आए / 4279
11. नंद जसोदा सब ब्रजबासी / 4282
12. हरि सौं बूझति रुकमिनि इनमैं को बृषभानु किसोरी/4285
13. रुकमिनी राधा ऐसैं भेंटी / 4291
14. राधा माधव भेंट भई / 4292
15. हम तौ इतनै ही सचु पायौ / 4296

## भ्रमरगीत


1. ऊधौ कहा करैं लै पाती / 3494
2. सुनौ गोपी हरि कौ संदेस / 3502
3. रहु रे मधुकर मधु मतवारे / 3504
4. मधुकर कहां पढ़ी यह नीति / 3509
5. देन आये ऊधौ मति नीकौ / 3514
6. ऊधौ बेगि मधुबन जाहु / 3517
7. ऊधौ जाहु तुमहिं हम जाने / 3521
8. मधुकर भली सुमति यह खोई / 3542
9. उलटी रीति तिहारी ऊधौ / 3550
10. अंखियां हरि दरसन की भूखीं / 3557
11. उपमा नैन न एक रही / 3571
12. माई मधुकर की यह रीति / 3593
13. आए जोग सिखावन पांड़े / 3604
14. मधुकर यह जानी तुम सांची / 3630
15. निरगुन कौन देस को बासी / 3631
16. कहियौ ठकुराइति हम जानी / 3637
17. जोग ठगौरी ब्रज न बिकैहैं / 3664
18. ऊधौ तुम हौ निकट के बासी / 3668
19. गोपी सुनहु हरि संदेस / 3695
20. ऊधौ जोग तबहिं तैं जान्यौ / 3696
21. ए अलि कहा जोग मैं नीकौ / 3697
22. मधुकर स्याम हमारे ईस / 3702
23. ऊधौ मन न भए दस बीस / 3720
24. इहि उर माखन चोर गड़े / 3731
25. सखी री स्याम सबै इकसार / 3749
26. मधुकर कह कारे की न्याति / 3753
27. बिलगि जनि मानौ ऊधौ कारे / 3762
28. ऊधौ भली भई ब्रज आए / 3781

29. प्रीति कर दीन्हीं गरैं छुरी / 3803
30. हम तौ दुहूं भांति फल पायौ / 3816
31. वे हरि सकल ठौर के बासी / 3866
32. ऊधौ जोग जोग हम नाहीं / 3924
33. यह गोकुल गोपाल उपासी / 3928
34. आयो घोष बड़ो ब्यौपारी / 3965
35. अपने स्वास्थ के सब कोऊ / 3975
36. कहत कत परदेसी की बात / 3976
37. हमारे हरि हारिल की लकरी / 3988
38. हरि हैं राजनीति पढ़ि आए / 3991
39. लरिकाई कौ प्रेम कहौ अलि कैसे छूटत / 4046
40. ऊधौ इक पतिया हमरी लीजै / 4064

**सहायक ग्रंथ**


1. सूर साहित्य : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. महाकवि सूरदास : नंददुलारे वाजपेयी
3. सूर पंचरत्न : लाला भगवानदीन
4. त्रिवेणी : रामचंद्र शुक्ल
5. सूर साहित्य की भूमिका : डॉ॰ हरवंश लाल शर्मा
6. सूरदास : डॉ॰ हरवंश लाल शर्मा
7. सूर की काव्य कला : मनमोहन गौतम
8. सूरदास : ब्रजेश्वर मदान
9. अष्टछाप और वल्लभ संप्रदाय : डॉ॰ दीनदयाल गुप्त
10. सूरदास : डा॰ पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल

## ( ख )

## निराला : विशेष अध्ययन

पूर्णांक : 100

( प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। )

**यूनिट-1 :** (क) युगीन परिदृश्य तथा निराला का साहित्य 15
(ख) नवजागरण एवं छायावाद
(ग) निराला की प्रगतिशील चेतना
(घ) विचारधारा, इतिहासबोध, यथार्थबोध

**यूनिट-2 :** (क) प्रेम : प्रकृति, नारी, देश, मानवतावाद 15
(ख) उपनिवेशवाद, जमींदारी प्रथा और किसान जीवन
(ग) संघर्ष और अंतर्द्वन्द्व
(घ) भाषा एवं शिल्प : छंद-विचार, गीत-प्रगीत

**यूनिट-3 :** कविताएं / गीत 40
( पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताओं में से किन्हीं तीन काव्यांशों की व्याख्या करनी होगी। )

1. तुलसीदास
2. जुही की कली
3. बादलराग
4. दान
5. तोड़ती पत्थर
6. गरम पकौड़ी
7. वर दे वीणावादिनी
8. मैं अकेला
9. सखि वसंत आया
10. बांधो न नाव इस ठांव बंधु

**यूनिट-4** : कथा साहित्य 15

बिल्लेसुर बकरिहा, देवी, सुकुल की बीवी, भक्त और भगवान

**यूनिट-5** : निबंध / समालोचना 15

1. परिमल की भूमिका
2. बाहरी स्वाधीनता और स्त्रियां
3. साहित्य और भाषा
4. सौंदर्य दर्शन और कवि कौशल
5. भारतीय और अंग्रेजी साहित्य

**सहायक ग्रंथ**


1. निराला की साहित्य साधना (तीनों खंड) / रामविलास शर्मा
2. निराला / रामविलास शर्मा
3. निराला : आत्महंता आस्था / दूधनाथ सिंह
4. निराला : पुनर्मूल्यांकन / धनंजय वर्मा
5. कृति से साक्षात्कार / नंदकिशोर नवल
6. निराला और मुक्त छंद / शिवमंगल सिद्धांतकर
7. कविता से साक्षात्कार / मलयज

## (ग)

## प्रेमचंद : विशेष अध्ययन

पूर्णांक : 100

(प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है।)

**यूनिट-1 :** (क) युगीन साहित्यिक पृष्ठभूमि तथा प्रेमचंद का साहित्य
(ख) प्रेमचंद के उर्दू उपन्यास
(ग) प्रेमचंद के प्रारंभिक हिन्दी उपन्यास
(घ) प्रेमचंद के साहित्य में राष्ट्रीय चेतना
(ड.) विचारधारा

**यूनिट-2 :** (क) ग्रामीण जीवन का चित्रण
(ख) जमींदारी प्रथा और किसान जीवन
(ग) नारी समस्या
(घ) उपन्यास शिल्प और भाषा

**यूनिट-3 :** उपन्यास
(क) सेवासदन
(ख) रंगभूमि
(ग) गोदान

**यूनिट-4 :** कहानियां
ईदगाह
मन्दिर और मस्जिद
दूध का दाम
बेटों वाली विधवा
आहुति
सद्गति
कफ़न

**यूनिट-5 : निबंध**

(क) साहित्य का उद्देश्य
(ख) कहानी-कला– 1, 2, 3
(ग) उपन्यास
(घ) उर्दू, हिन्दी और हिन्दुस्तानी
(ड.) जीवन में साहित्य का स्थान

**सहायक ग्रंथ**


1. प्रेमचंद और उनका युग / डॉ॰ रामविलास शर्मा
2. प्रेमचंद के उपन्यास : पुनर्मूल्यांकन / डॉ॰ शैलेश ज़ैदी
3. कलम का सिपाही / अमृतराय
4. प्रेमचंद : एक विवेचन / इन्द्रनाथ मदान
5. प्रेमचंद / सत्येन्द्र
6. गोदान / राजेश्वर गुरु
7. प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्प / कमलकिशोर गोयनका
8. प्रेमचंद विरासत का सवाल / शिवकुमार मिश्र
9. गोदान का महत्व / गोपाल राय